तुरंत जारी करने हेतु

(प्रेस विज्ञप्ति सं. 53/2026)

प्रेस के लिए सूचना नोट

सत्यमेव जयते

भादूविप्रा TRAI

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 22 अप्रैल 2026

(www.trai.gov.in)

मार्च 2026 के अंत में दूरसंचार उपभोक्ता डाटा से संबंधित मुख्य झलकियां

विवरण	वायरलेस*	वायरलाइन	कुल (वायरलेस+वायरलाइन)
ब्राडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**1019.37**	**46.51**	**1065.88**
शहरी टेलीफ़ोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**735.73**	**43.06**	**778.79**
मार्च 2026 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	4.98	0.15	5.13
मासिक वृद्धि दर	0.68%	0.34%	0.66%
ग्रामीण टेलीफ़ोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**546.60**	**5.19**	**551.79**
मार्च 2026 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	4.04	0.11	4.15
मासिक वृद्धि दर	0.74%	2.09%	0.76%
टेलीफोन उपभोक्ताओं की कुल संख्या (मिलियन में)	**1282.33**	**48.25**	**1330.58**
मार्च 2026 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	9.02	0.25	9.28
मासिक वृद्धि दर	0.71%	0.53%	0.70%
शहरी उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	57.37%	89.24%	58.53%
ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	42.63%	10.76%	41.47%
समग्र दूरसंचार-घनत्व@ एम 2 एम सेलुलर मोबाइल कनेक्शन के साथ	**89.88%**	**3.38%**	**93.26%**
शहरी दूरसंचार-घनत्व@	143.10%	8.37%	151.47%
ग्रामीण दूरसंचार-घनत्व@	59.89%	0.57%	60.46%
दूरसंचार-घनत्व@ एम 2 एम सेलुलर मोबाइल कनेक्शन के बिना	**81.19%**	**3.38%**	**84.57%**

- मार्च 2026 के माह में 14.63 मिलियन उपभोक्ताओं ने मोबाइल नम्बर पोर्टिबिलिटी (एमएनपी) हेतु अपने अनुरोध दर्ज करवाए हैं।
- मार्च 2026 के अंत तक सक्रिय वायरलेस (मोबाइल) उपभोक्ताओं (अधिकतम वीएलआर# की तिथि पर) की संख्या 1185.60 मिलियन थी।

नोट: -

* वायरलेस उपभोक्ता आधार में वायरलेस मोबाइल टेलीफोन उपभोक्ता (एम 2 एम सेल्युलर मोबाइल कनेक्शनों सहित) तथा फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (FWA) उपभोक्ता शामिल हैं।

@ टेली-घनत्व की गणना जुलाई 2020 में प्रकाशित "भारत एवं राज्यों के लिए जनसंख्या प्रक्षेपण पर तकनीकी समूह की रिपोर्ट (2011-2036)" में उल्लिखित जनसंख्या प्रक्षेपण के आधार पर की गई है।

VLR विज़िटर लोकेशन रजिस्टर का संक्षिप्त नाम है। विभिन्न दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के लिए पीक वीएलआर की तिथियां अलग-अलग सेवा क्षेत्रों में अलग-अलग हैं।

• इस प्रेस विज्ञप्ति में दी गई जानकारी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर आधारित है।

I. ब्राडबैंड सब्सक्राइबर बेस

मार्च 2026 महीने में 1520 सेवा प्रदाताओं से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, ब्राडबैंड सब्सक्राइबरों की संख्या 1059.05 मिलियन से बढ़कर 1065.88 मिलियन हो गई जिसमें वृद्धि दर 0.65% प्रतिशत रही। श्रेणीवार ब्राडबैंड सब्सक्राइबरों की संख्या तथा उनकी मासिक वृद्धि दर नीचे दी गई है:-

मार्च 2026 के माह की स्थिति के अनुसार ब्राडबैंड सब्सक्राइबर बेस तथा उनकी मासिक वृद्धि दर

सेगमेंट	सब्सक्रिप्शन	सब्सक्राइबर बेस (मिलियन में)		परिवर्तन दर (प्रतिशत)
		फरवरी-25	मार्च-26	
वायर्ड सब्सक्राइबर	फिक्स्ड वायर्ड एक्सेस (डी.एस.एल., एफ.टी.टी.एक्स., ईथरनेट/एल.ए.न, केबल मॉडेम, आई.एल.एल)	46.02	46.51	1.07%
वायरलेस सब्सक्राइबर	फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (एफ.डब्ल्यू.ए.-5जी, वाई-फाई, वाई-मैक्स, रेडियो/यूबीआर, सैटेलाइट)	16.51	17.10	3.60%
	मोबाइल वायरलेस एक्सेस (हैंडसेट/डोंगल/ एम2एम-आधारित 3G, 4G, 5G)	996.52	1002.27	0.58%
कुल ब्राडबैंड सब्सक्रिप्शन		**1059.05**	**1065.88**	**0.65%**

मार्च 2026 के अंत तक सबसे बड़े पांच (वायर्ड+वायरलेस) सेवा प्रदाता

क्रम संख्या	सेवा प्रदाता का नाम	सब्सक्राइबर बेस (मिलियन में)
1.	रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड	523.44
2.	भारती एयरटेल लिमिटेड	368.84
3.	वोडाफोन आइडिया लिमिटेड	128.91
4.	भारत संचार निगम लिमिटेड	27.37
5.	आत्रिया कन्वर्जेंस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड	2.40
पांच सबसे बड़े ब्रॉडबैंड (वायर्ड+वायरलेस) सेवा प्रदाताओं का मार्केट शेयर		**98.60%**

- ब्राडबैंड सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी का रेखाचित्रवार प्रदर्शन नीचे दिया गया हैः -

मार्च 2026 के अंत तक की स्थिति के अनुसार ब्राडबैंड (वायरलाईन+वायरलेस) सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी

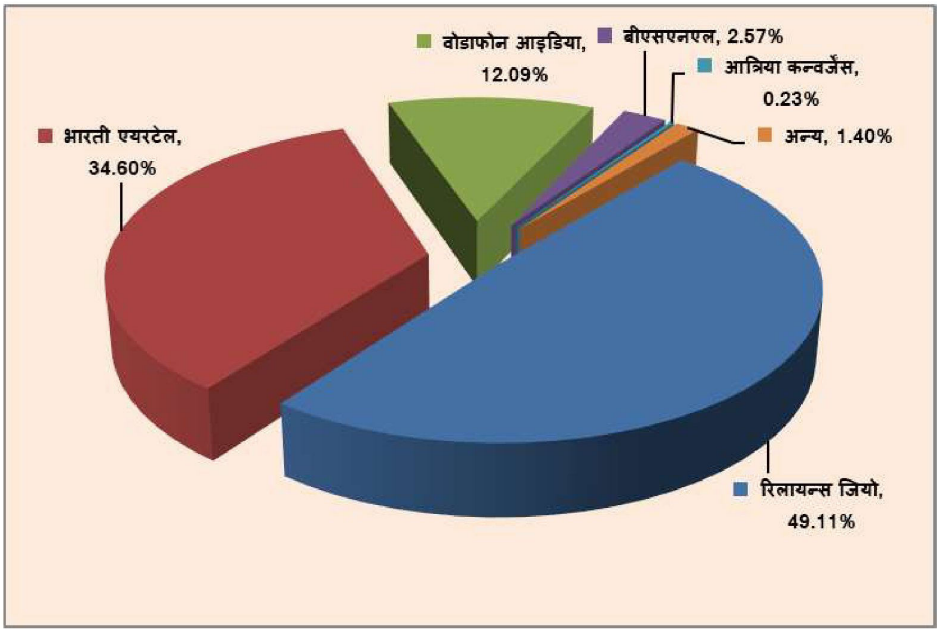

- **मार्च 2026 के अंत तक की स्थिति के अनुसार पांच सबसे बड़े फिक्स्ड वायर्ड एक्सेस ब्राडबैंड सेवा प्रदाता**

क्रम संख्या	सेवा प्रदाता का नाम	सब्सक्राइबर बेस (मिलियन में)
1.	रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड	14.23
2.	भारती एयरटेल लिमिटेड	10.71
3.	भारत संचार निगम लिमिटेड	4.51
4.	आत्रिया कन्वर्जेंस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड	2.40
5.	केरला विजन ब्रॉडबैंड लिमिटेड	1.48
पांच सबसे बड़े फिक्स्ड वायर्ड एक्सेस ब्राडबैंड सेवा प्रदाताओं का मार्केट शेयर		**71.68%**

- **मार्च 2026 के अंत तक की स्थिति के अनुसार पांच सबसे बड़े वायरलेस ब्राडबैंड (फिक्स्ड वायरलेस ब्राडबैंड और मोबाइल ब्राडबैंड) सेवा प्रदाता**

क्रम संख्या	सेवा प्रदाता का नाम	सब्सक्राइबर बेस (मिलियन में)
1.	रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड	509.21
2.	भारती एयरटेल लिमिटेड	358.13
3.	वोडाफोन आइडिया लिमिटेड	128.91
4.	भारत संचार निगम लिमिटेड	22.86
5.	आईबस वर्चुअल नेटवर्क सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	0.11
पांच सबसे बड़े वायरलेस ब्राडबैंड (फिक्स्ड वायरलेस ब्राडबैंड और मोबाइल ब्राडबैंड) सेवा प्रदाताओं का मार्केट शेयर		**99.99%**

II. वायरलाइन टेलीफोन सब्सक्राइबर बेस

- वायरलाइन ग्राहकों की संख्या फरवरी 2026 के अंत में 47.99 मिलियन से बढ़कर मार्च 2026 के अंत में 48.25 मिलियन हो गई। इस माह में 0.53% की मासिक वृद्धि दर के साथ वायरलाइन सब्सक्राइबरों की संख्या में 0.25 मिलियन की वृद्धि दर्ज की गई।

- भारत में कुल वायरलाइन टेली-घनत्व फरवरी 2026 के अंत में 3.37% से बढ़कर मार्च 2026 के अंत में 3.38% हो गई। इसी अवधि के दौरान शहरी और ग्रामीण वायरलाइन टेली-घनत्व क्रमशः 8.37% और 0.57% था। मार्च 2026 के अंत में कुल वायरलाइन सब्सक्राइबरों में शहरी और ग्रामीण ग्राहकों की हिस्सेदारी क्रमशः 89.24% और 10.76% थी।

- मार्च 2026 के अंत में तीनों सार्वजनिक क्षेत्रों के सेवा प्रदाताओं यथा बीएसएनएल, एमटीएनएल तथा एपीएसएफएल के पास वायरलाइन बाजार की 18.84% हिस्सेदारी थी। वायरलाइन सब्सक्राइबरों की संख्या के विस्तृत आंकड़े **अनुलग्नक-1** में उपलब्ध हैं।

मार्च 2026 के अंत तक की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलाइन सब्सक्राइबर बेस की बाजार हिस्सेदारी

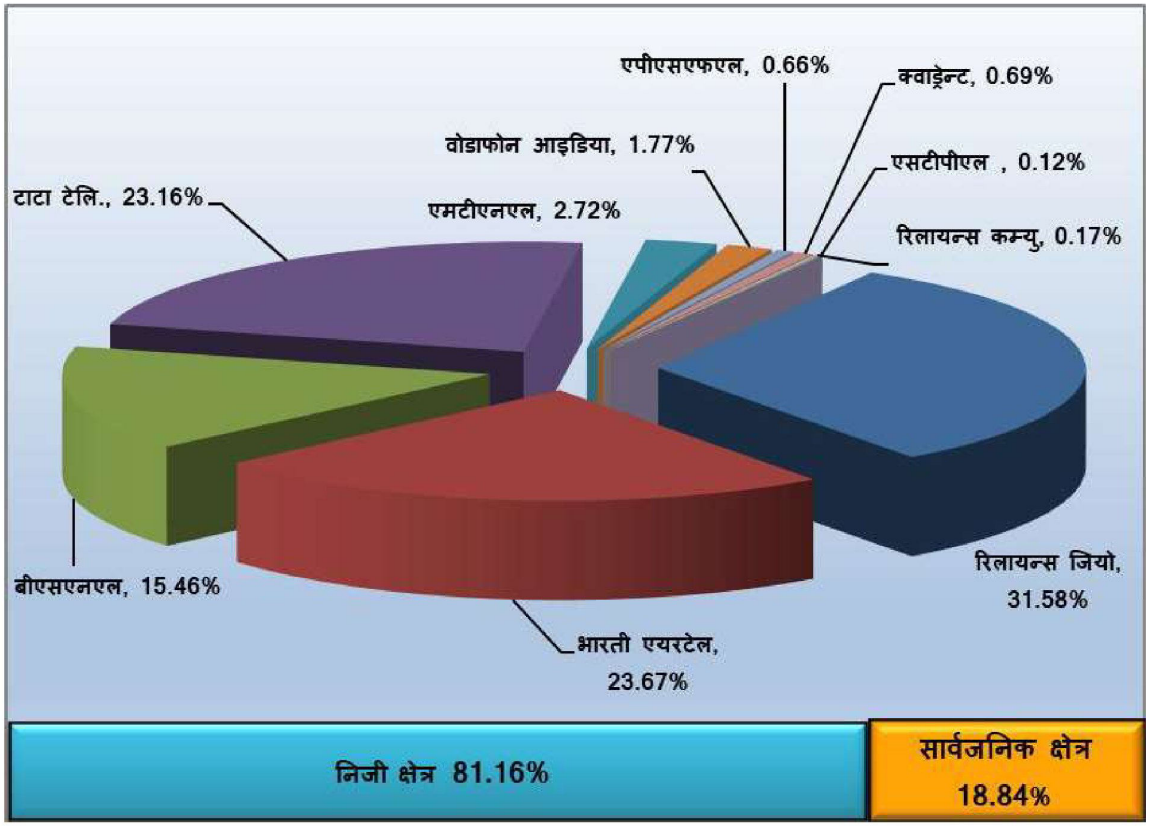

- मार्च माह में विभिन्न ऐक्सेस सेवा प्रदाताओं के वायरलाइन सब्सक्राइबर बेस में निबल वृध्दि/क्षय नीचे दिया गया है।

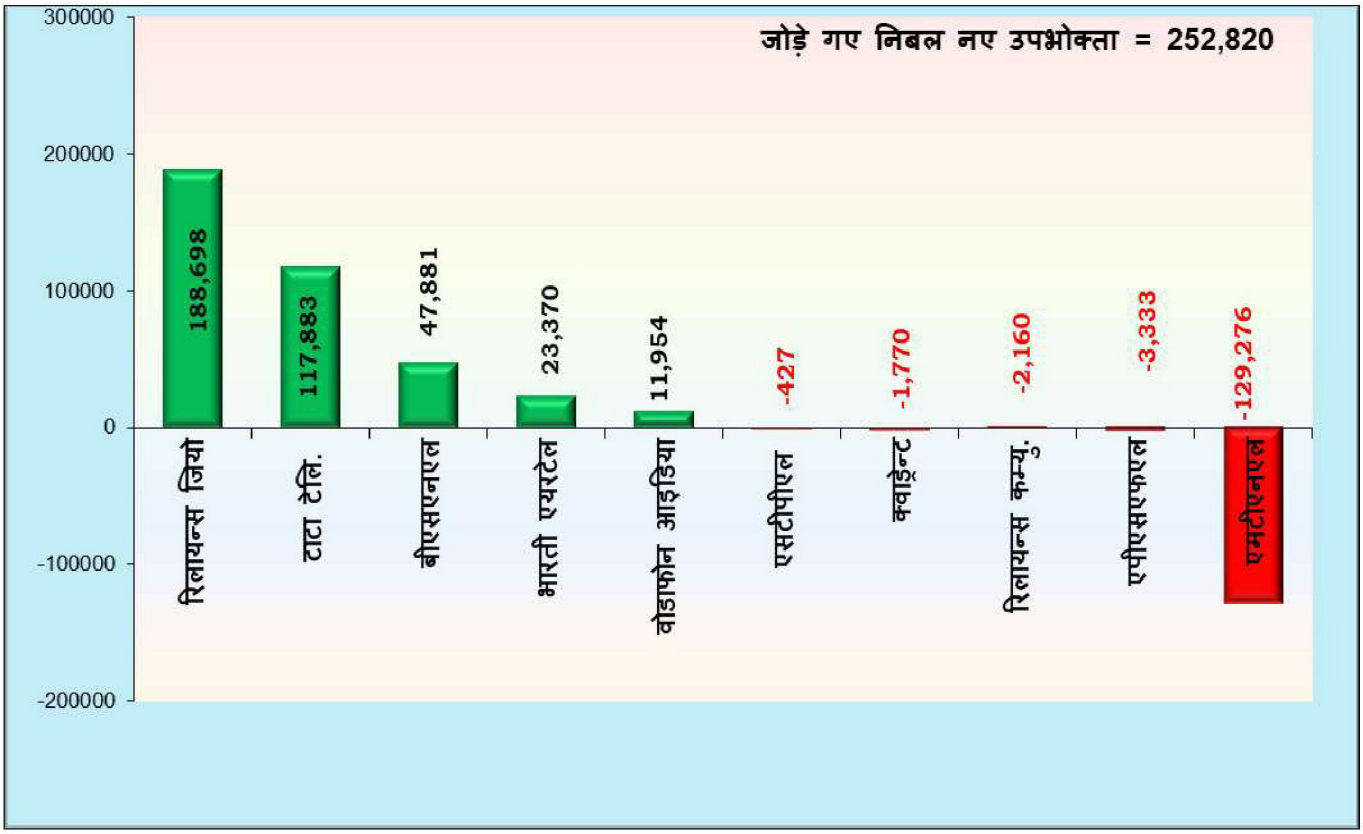

III. वायरलेस टेलीफोन (मोबाइल + एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबर बेस

- कुल वायरलेस (मोबाइल + एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबरों की संख्या फरवरी 2026 के अंत में 1273.31 मिलियन से बढ़कर मार्च 2026 के अंत में 1282.33 मिलियन हो गई, जिससे 0.71% की मासिक वृद्धि दर दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में कुल वायरलेस सब्सक्रिप्शन फरवरी 2026 के अंत में 730.75 मिलियन से बढ़कर, मार्च 2026 के अंत में 735.73 मिलियन हो गई और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में सब्सक्रिप्शन 542.56 मिलियन से बढ़कर 546.60 मिलियन हो गई। शहरी और ग्रामीण वायरलेस सब्सक्रिप्शन की मासिक वृद्धि दर क्रमशः 0.68% और 0.74% थी।

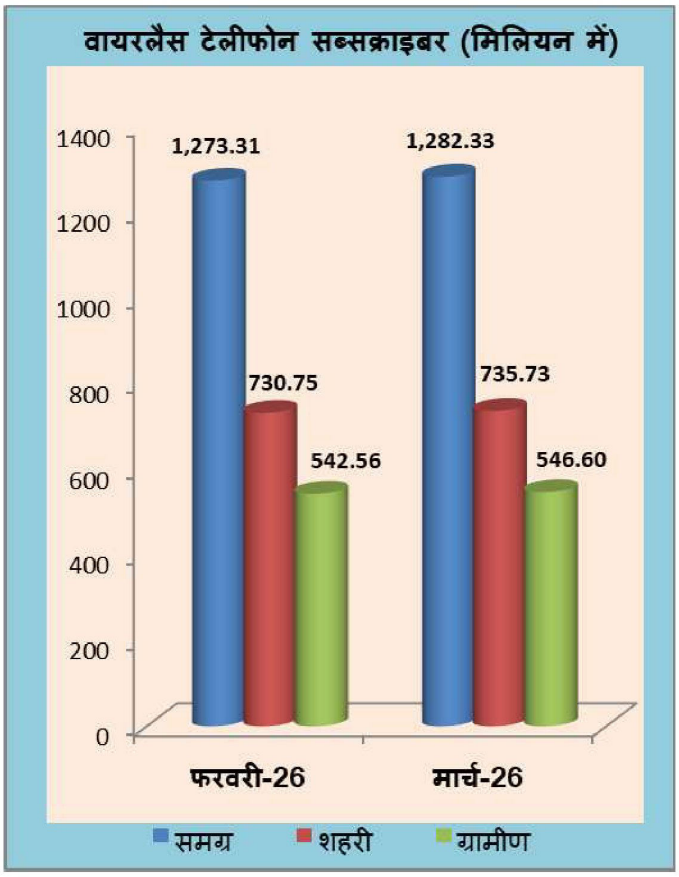

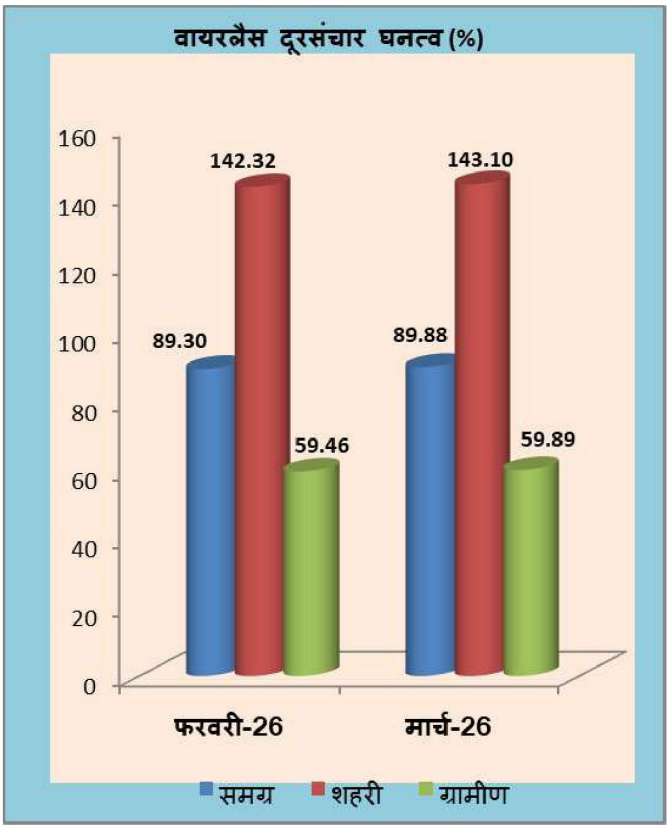

- भारत में वायरलेस टेली-घनत्व फरवरी 2026 के अंत में 89.30% से बढ़कर मार्च 2026 के अंत में 89.88% हो गया। शहरी वायरलेस टेली-घनत्व फरवरी 2026 के अंत में 142.32% से बढ़कर मार्च 2026 के अंत में 143.10% हो गया और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण टेली-घनत्व में 59.46% से बढ़कर 59.89% हो गया। मार्च 2026 के अंत में कुल वायरलेस ग्राहकों में शहरी और ग्रामीण वायरलेस ग्राहकों की हिस्सेदारी क्रमशः 57.37% और 42.63% थी।

नोट: - टेली-घनत्व के आंकड़ों की गणना में एम2एम सेल्युलर मोबइल कनेक्शनों को भी शामिल किया गया है।

- वायरलेस (मोबाइल) ग्राहकों और वायरलेस (एफडब्ल्यूए) ग्राहकों का विवरण नीचे दिया गया है: -

(अ) वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर बेस

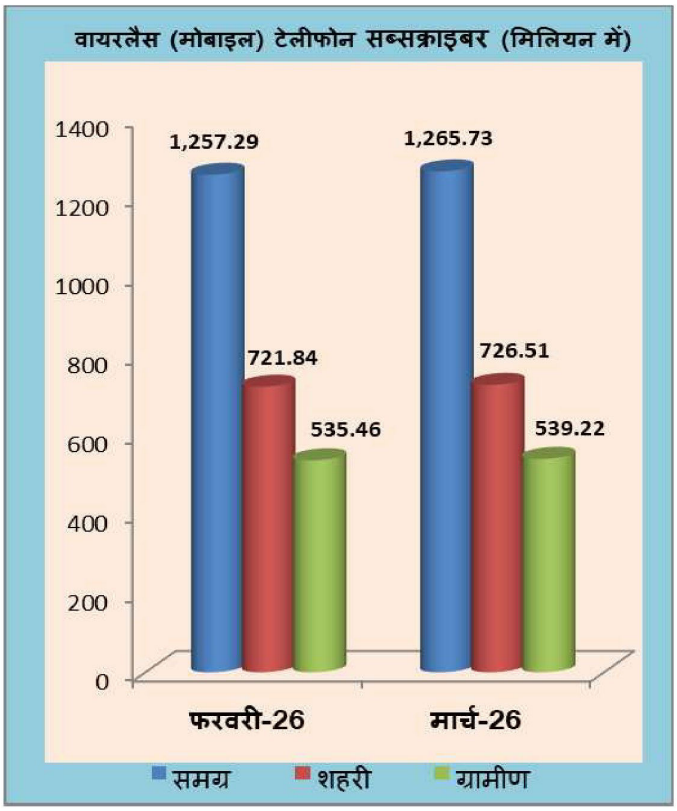

• कुल वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबरों की संख्या फरवरी 2026 के अंत में 1257.29 मिलियन से बढ़कर मार्च 2026 के अंत में 1265.73 मिलियन हो गए, जिससे मासिक वृद्धि दर 0.67% दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्रिप्शन फरवरी 2026 के अंत में 721.84 मिलियन से बढ़कर मार्च 2026 के अंत में 726.51 मिलियन हो गई और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्रिप्शन 535.46 मिलियन से बढ़कर 539.22 मिलियन हो गई। शहरी और ग्रामीण वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्रिप्शन की मासिक वृद्धि दर क्रमशः 0.65% और 0.70% थी।

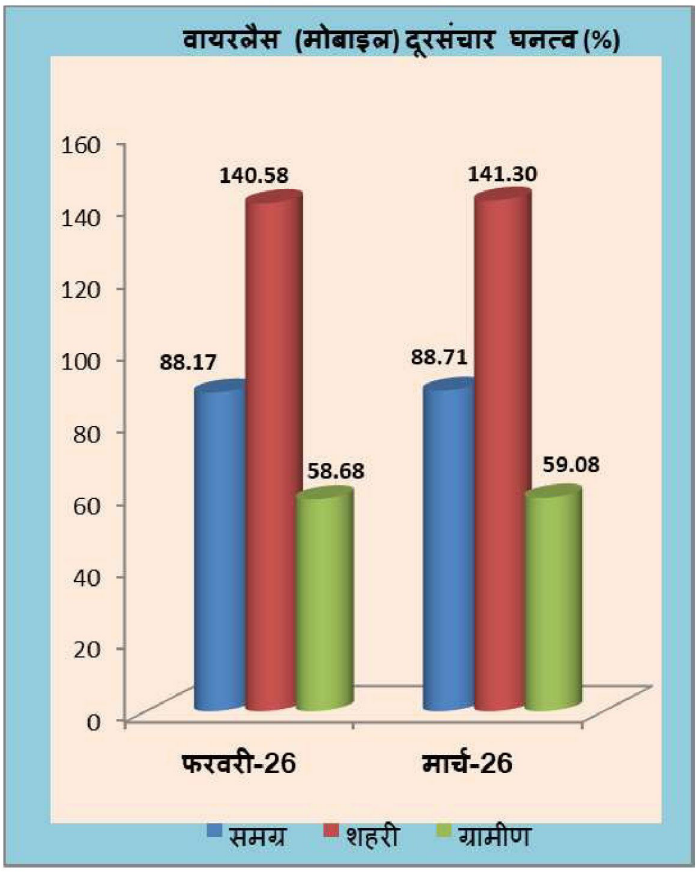

• भारत में वायरलेस (मोबाइल) टेली-घनत्व फरवरी 2026 के अंत में 88.17% से बढ़कर मार्च 2026 के अंत में 88.71% हो गया। शहरी वायरलेस टेली-घनत्व फरवरी 2026 के अंत में 140.58% से बढ़कर मार्च 2026 के अंत में 141.30% हो गया और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण टेली-घनत्व में 58.68% से बढ़कर 59.08% हो गया। मार्च 2026 के अंत में कुल वायरलेस (मोबाइल) ग्राहकों में शहरी और ग्रामीण वायरलेस (मोबाइल) ग्राहकों की हिस्सेदारी क्रमशः 57.40% और 42.60% थी।

वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर बेस के विस्तृत आँकड़े **अनुलग्नक-2** में उपलब्ध हैं।

नोट: - टेली-घनत्व के आंकड़ों की गणना में एम2एम सेल्युलर मोबइल कनेक्शनों को भी शामिल किया गया है।

- मार्च 2026 के अंत तक की स्थिति के अनुसार, निजी सेवा प्रदाताओं के पास वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर की संख्या का 92.64% बाजार हिस्सेदारी थी जबकि दो सार्वजनिक क्षेत्रों के टेलीफोन सेवा प्रदाताओं नामतः बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास 7.36% बाजार हिस्सेदारी थी।
- एक्सेस सेवा प्रदाता-वार बाजार हिस्सेदारी और वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर बेस में शुद्ध वृद्धि को रेखाचित्र के रूप में नीचे प्रदर्शित किया गया हैः -

मार्च 2026 के अंत तक वायरलेस (मोबाइल) उपभोक्ताओं के संदर्भ में एक्सेस सेवा प्रदाता-वार बाजार हिस्सेदारी

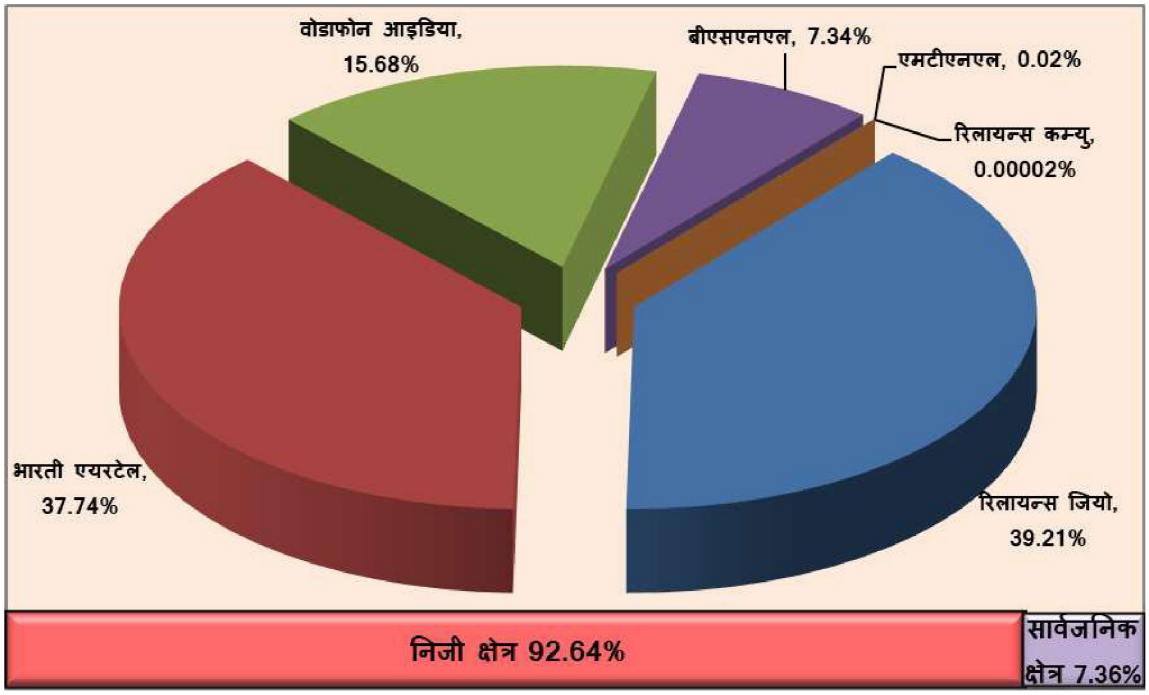

मार्च 2026 के महीने में एक्सेस सेवा प्रदाताओं के वायरलेस (मोबाइल) ग्राहकों में शुद्ध वृद्धि/कमी

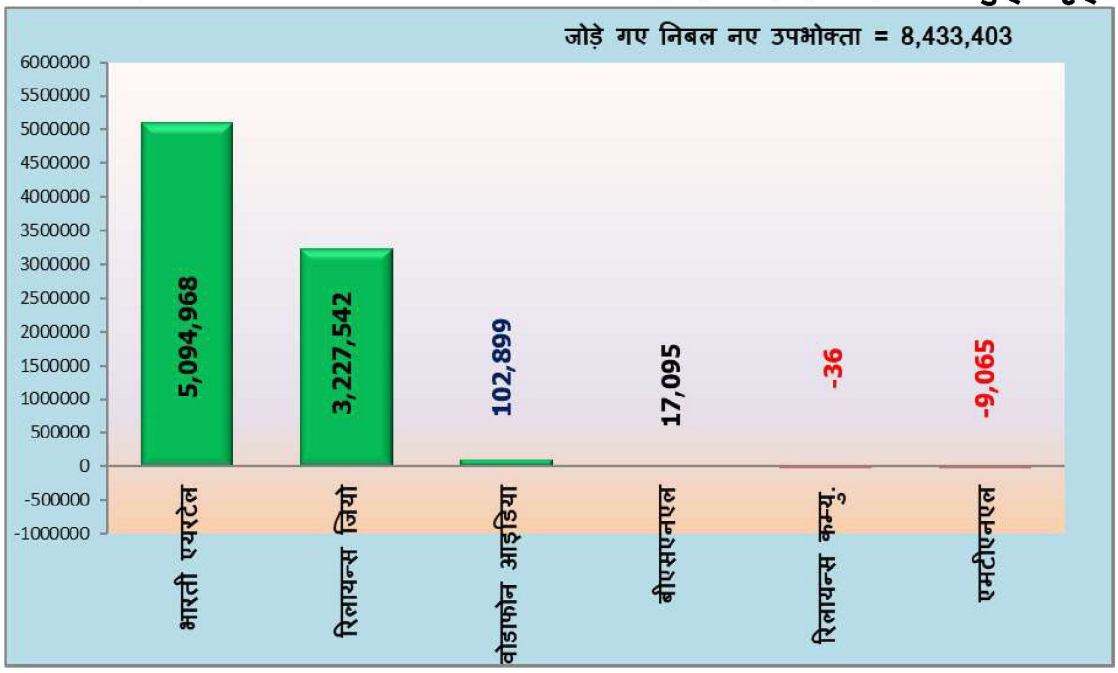

वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबरों में वृद्धि

मार्च 2026 माह में वायरलेस सब्सक्राइबरों की प्रमुख एक्सेस सेवा प्रदातावार मासिक वृद्धि दर

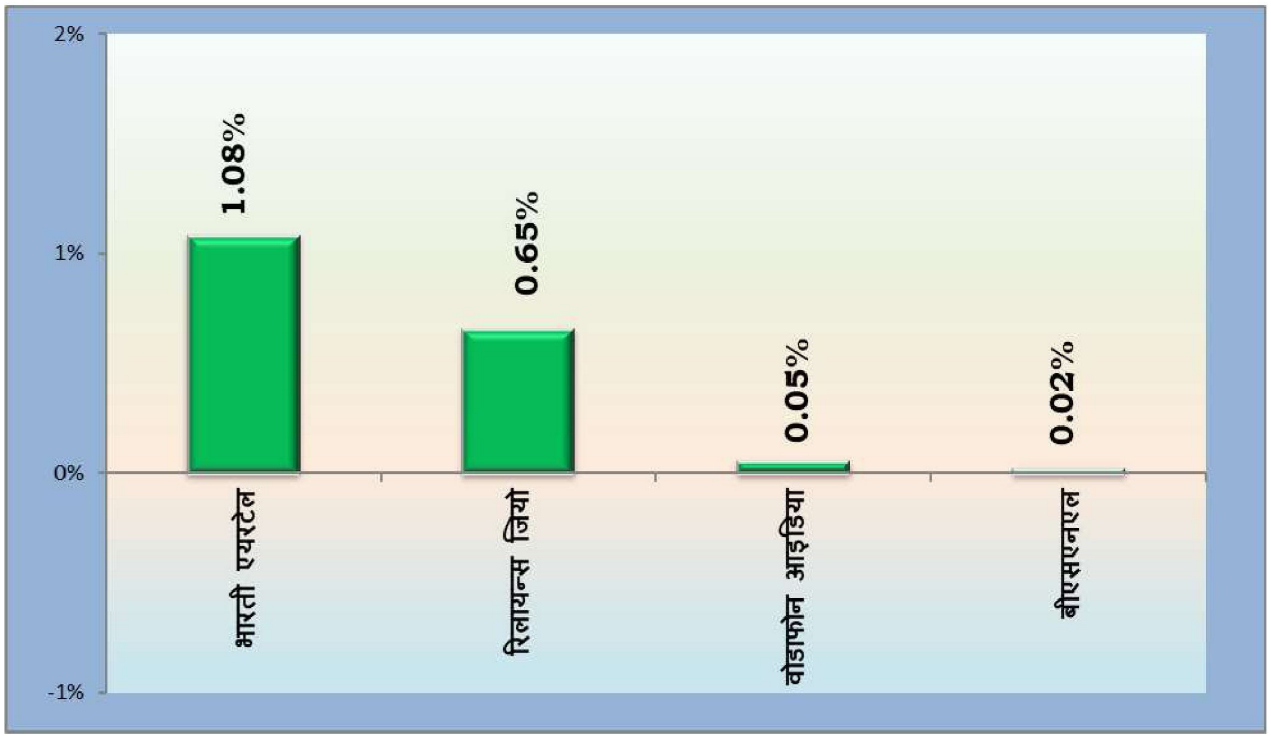

मार्च 2026 माह के दौरान लाइसेंस्ड सेवा-क्षेत्रवार वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर बेस में मासिक वृद्धि दर

- मार्च 2026 के दौरान सभी सेवा क्षेत्रों में वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई।

(ब) वायरलेस (एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबर बेस

- वर्तमान में फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (एफडब्ल्यूए) आधारित सेवाएं दो श्रेणियों के तहत प्रदान की जा रही है

  (a) 5जी एफडब्ल्यूए i.e. एफडब्ल्यूए 5जी रेडियो एक्सेस तकनीकि का उपयोग करके; और

  (b) यूबीआर एफडब्ल्यूए i.e. एफडब्ल्यूए बिना लाइसेंस वाले रेडियो बैंड (यूबीआर) तकनीक का उपयोग करके.

- फरवरी 2026 के अंत में कुल वायरलेस (5जी एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबरों की संख्या 11.93 मिलियन से बढ़कर मार्च 2026 के अंत में 12.32 मिलियन हो गई, जिसमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सब्सक्राइबरों की संख्या क्रमशः 6.17 मिलियन और 6.15 मिलियन थी। मार्च 2026 के अंत में कुल वायरलेस (5जी एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबरों में शहरी और ग्रामीण वायरलेस (5जी एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबरों की हिस्सेदारी क्रमशः 50.37% और 49.63% थी।
- सेवा क्षेत्र वार वायरलेस (5जी एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबर बेस के विस्तृत आँकडे **अनुलग्नक-5** पर उपलब्ध हैं।
- मार्च 2026 के अंत तक यूबीआर एफडब्ल्यूए सब्सक्रिप्शन की संख्या 4.29 मिलियन थी, जिसमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सब्सक्रिप्शन क्रमशः 3.05 मिलियन और 1.23 मिलियन थे। मार्च 2026 के अंत तक कुल वायरलेस (यूबीआर एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबर्स में शहरी और ग्रामीण वायरलेस (यूबीआर एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबर्स की हिस्सेदारी क्रमशः 71.23% और 28.77% थी।
- सेवा क्षेत्र वार वायरलेस (यूबीआर एफडब्ल्यूए) ग्राहक आधार की जानकारी **अनुलग्नक-6** पर उपलब्ध है।

IV. एम2एम सेल्युलर मोबाइल कनेक्शन

- एम2एम सेलुलर मोबाइल कनेक्शनों की संख्या फरवरी 2026 के अंत में 118.47 मिलियन से बढ़कर मार्च 2026 के अंत में 123.88 मिलियन हो गई।

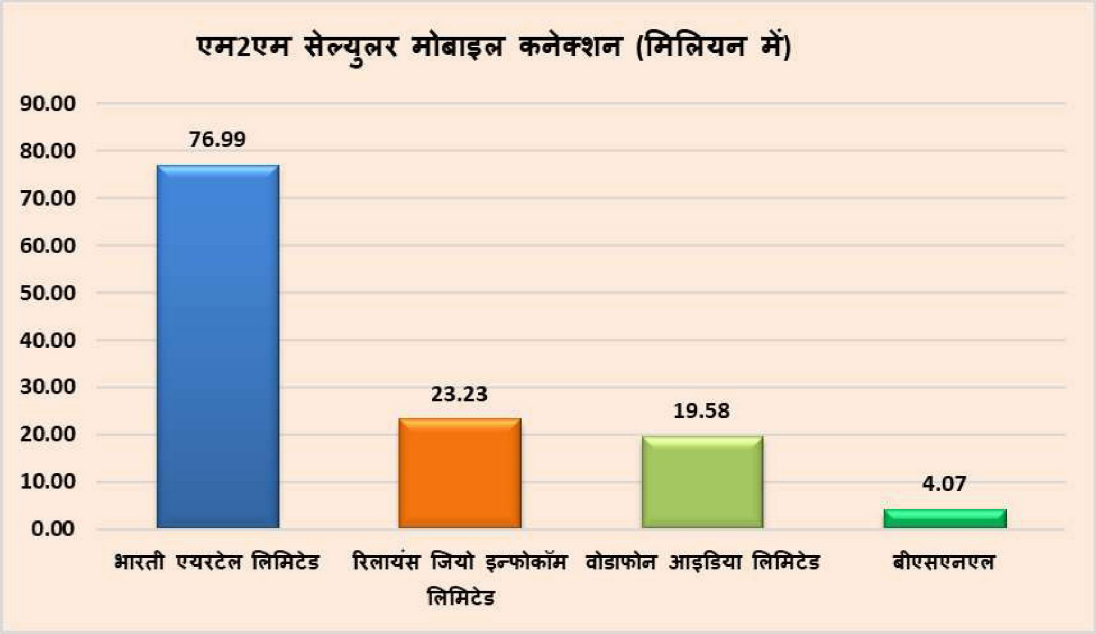

- भारती एयरटेल लिमिटेड के पास 62.15% की बाजार हिस्सेदारी के साथ सबसे अधिक एम2एम सेल्युलर मोबाइल कनेक्शन 76.99 मिलियन हैं, इसके बाद रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड, वोडाफोन आइडिया लिमिटेड और बीएसएनएल के पास क्रमशः 18.76%, 15.81% और 3.28% की बाजार हिस्सेदारी है।

V. कुल टेलीफोन सब्सक्राइबर बेस

- फरवरी 2026 के अंत तक देश में टेलीफोन सब्सक्राइबरों की संख्या 1321.31 मिलियन से बढ़कर मार्च 2026 के अंत तक 1330.58 मिलियन हो गई, जिसमें मासिक वृद्धि दर 0.70% प्रतिशत दर्ज की गयी। फरवरी 2026 के अंत तक शहरी सब्सक्राइबरों की संख्या 773.66 मिलियन से बढ़कर मार्च 2026 के अंत तक 778.79 मिलियन हो गई और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण सब्सक्राइबरों की संख्या 547.65 मिलियन से बढ़कर 551.79 मिलियन हो गई। मार्च 2026 माह के दौरान शहरी एवं ग्रामीण सब्सक्राइबरों की मासिक वृद्धि दर क्रमशः 0.66% तथा 0.76% रही।

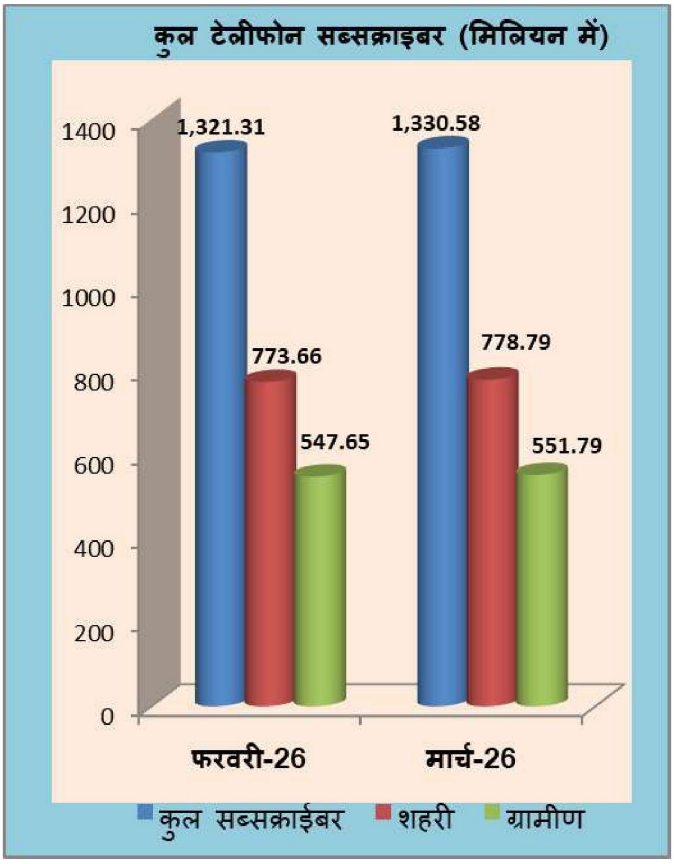

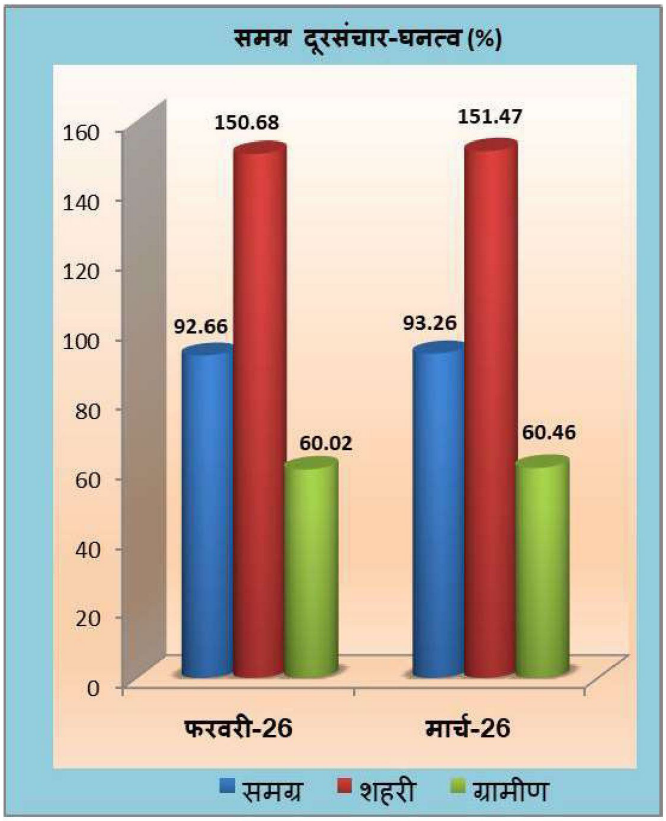

- देश में समग्र दूरसंचार घनत्व फरवरी 2026 के अंत तक 92.66% से बढ़कर मार्च 2026 के अंत तक 93.26% हो गया। शहरी दूरसंचार घनत्व फरवरी 2026 के अंत तक 150.68% से बढ़कर मार्च 2026 के अंत तक 151.47% हो गया और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण दूरसंचार घनत्व 60.02% से बढ़कर 60.46% हो गया। मार्च 2026 के अंत तक कुल टेलिफोन उपभोक्ताओं की संख्या में शहरी और ग्रामीण सब्सक्राइबरों की हिस्सेदारी क्रमशः 58.53% तथा 41.47% थी।

नोट: - टेली-घनत्व के आंकड़ों की गणना में एम2एम सेलुलर मोबइल कनेक्शनों को भी शामिल किया गया है।

- मार्च 2026 के अंत तक कुल टेलीफोन सब्सक्राइबर आधार का सारांश निम्नानुसार है:

मार्च 2026 के अंत में टेलीफोन सब्सक्राइबर आधार

क्रम सं.	टेलीफोन कनेक्शन के प्रकार		सब्सक्राइबरों की संख्या (मिलियन में)	कुल (मिलियन में)
1.	वायरलेस	कंज्यूमर सिम	1,141.85	1,282.34
2.		एम2एम सिम	123.88	
3.		एफडब्ल्यूए	16.61	
4.	वायरलाइन		48.25	
5.	**कुल**		**1,330.58**	

- निम्नलिखित तालिका में मार्च 2026 के अंत तक वायरलेस (मोबाइल) टेलीफोन उपभोक्ता बेस की संक्षिप्त जानकारी दी गयी है।

क्रम सं.	मद	सब्सक्राइबरों की संख्या (मिलियन में)
1.	एम2एम सेल्युलर मोबाइल कनेक्शनों सहित वायरलेस (मोबाइल) कनेक्शनों की संख्या*	**1265.73**
2.	एम2एम सेल्युलर मोबाइल कनेक्शनों को छोड़कर वायरलेस (मोबाइल) कनेक्शनों की संख्या	**1141.85**

* वायरलेस (मोबाइल) कनेक्शन = कंज्यूमर सिम + एम2एम सिम

मार्च 2026 के अंत तक की स्थिति के अनुसार सेवा क्षेत्र (एलएसए) वार समग्र दूरसंचार-घनत्व

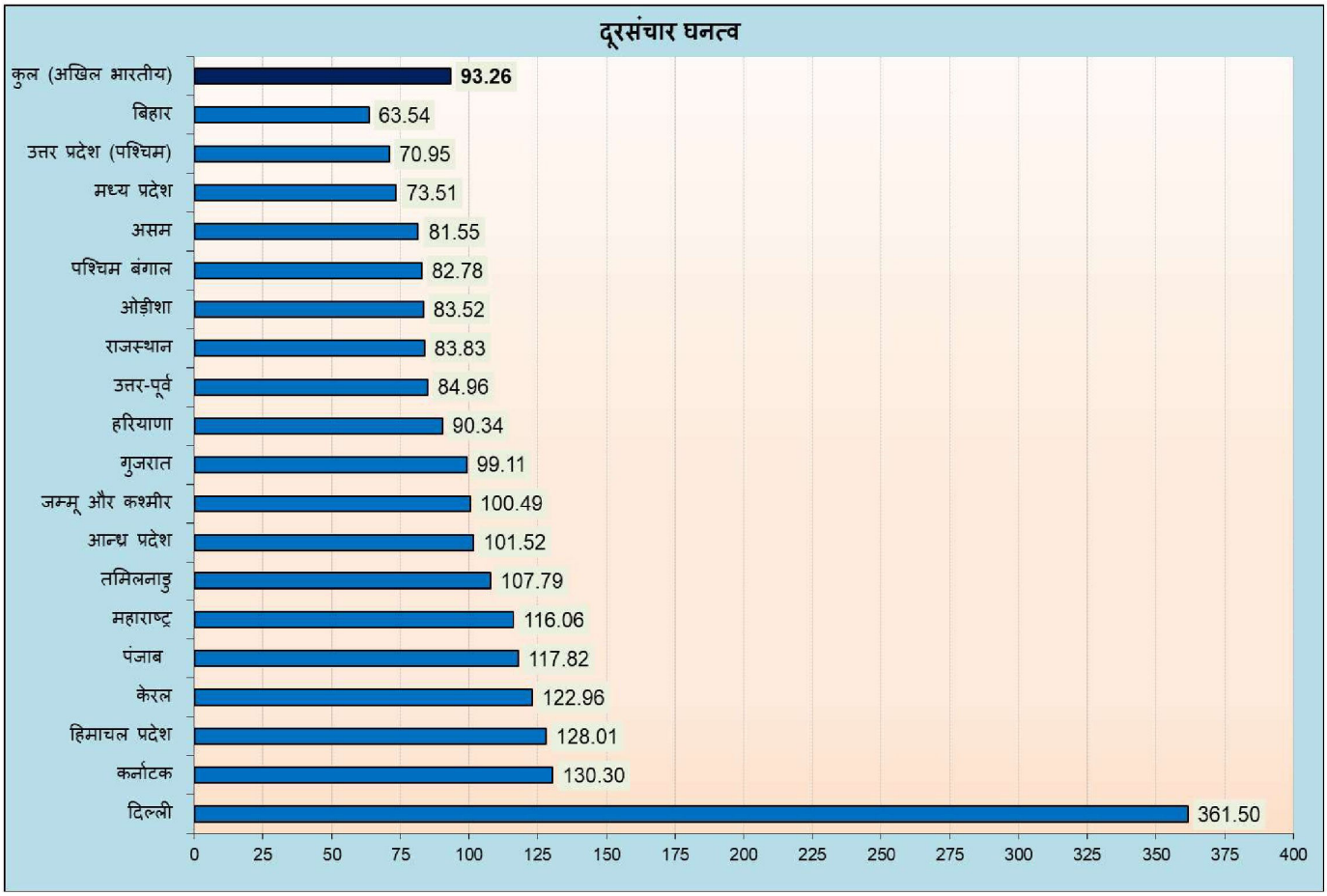

- जैसा कि उपर्युक्त चार्ट में देखा जा सकता है कि मार्च 2026 के अंत में नौ सेवा क्षेत्रों में टेली-घनत्व, अखिल भारत के औसत टेलि-घनत्व से कम रहा है। दिल्ली सेवा क्षेत्र में अधिकतम टेली-घनत्व 361.50% रहा और इसी दौरान बिहार सेवा क्षेत्र में न्यूनतम टेली-घनत्व 63.54% रहा।

नोट: -

1. जनसंख्या आंकड़े/अनुमान केवल राज्यवार ही उपलब्ध हैं।
2. दूरसंचार घनत्व के आंकड़ों को टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों तथा तकनीकी समूह की भारत और राज्यों के लिए जनसंख्या 2011-2036 के अनुमानों की रिपोर्ट के आकड़ो के आधार पर।
3. दिल्ली के लिए टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों में दिल्ली राज्य के आंकड़ों के अलावा, गाजियाबाद, और नोएडा (उत्तर प्रदेश में स्थित) तथा गुड़गांव और फरीदाबाद (हरियाणा में स्थित) के स्थानीय एक्सचेजों के दायरे में आने वाले क्षेत्रों हेतु वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़े शामिल हैं।
4. पश्चिम बंगाल में कोलकाता, महाराष्ट्र में मुंबई तथा उत्तर प्रदेश में उ0प्र0(पूर्व) एवं उ0प्र0(पश्चिम) सेवा क्षेत्रों की सूचनायें शामिल है।
5. आंग्र प्रदेश में तेलंगाना, बिहार में झारखंड, मध्य प्रदेश में छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र में गोवा, उत्तर प्रदेश में उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल में सिक्किम तथा उत्तर-पूर्व में अरूणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड एवं त्रिपुरा राज्यों को शामिल किया गया है।
6. टेली-घनत्व के आंकड़ों की गणना में एम2एम सेल्युलर मोबइल कनेक्शनों को भी शामिल किया गया है।

VI. सब्सक्राइबर बेस में श्रेणीवार वृद्धि

मार्च 2026 माह में टेलीफोन सब्सक्राइबरों की संख्या में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार जोड़े गए निबल नए सब्सक्राइबर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	मार्च 2026 के माह में जोड़े गए निबल नए सब्सक्राइबर		दिनांक 28 मार्च 2026 की स्थिति के अनुसार सब्सक्राइबर की संख्या	
	वायरलाइन	वायरलेस*	वायरलाइन	वायरलेस*
श्रेणी - क	199,297	3,123,332	20,644,918	429,741,047
श्रेणी - ख	77,105	2,792,637	11,830,219	498,763,901
श्रेणी - ग	37,229	2,321,245	3,675,856	213,597,171
महानगर	-60,811	785,887	12,096,113	140,232,051
अखिल भारतीय	**252,820**	**9,023,101**	**48,247,106**	**1,282,334,170**

मार्च 2026 माह में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार टेलीफोन सब्सक्राइबरों की संख्या में मासिक एवं वार्षिक प्रतिशत वृद्धि दर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (फरवरी 2026 से मार्च 2026)		वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (मार्च 2025 से मार्च 2026)	
	वायरलाइन	वायरलेस*	वायरलाइन	वायरलेस*
श्रेणी - क	0.97%	0.73%	41.71%	11.18%
श्रेणी - ख	0.66%	0.56%	15.98%	5.79%
श्रेणी - ग	1.02%	1.10%	24.75%	11.09%
महानगर	-0.50%	0.56%	29.70%	23.58%
अखिल भारतीय	**0.53%**	**0.71%**	**30.25%**	**10.19%**

* वायरलेस उपभोक्ता आधार में वायरलेस मोबाइल टेलीफोन उपभोक्ता (एम 2 एम सेल्युलर मोबाइल कनेक्शनों सहित) तथा फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (FWA) उपभोक्ता शामिल हैं।

नोट: महानगर सेवा क्षेत्र श्रेणी में दिल्ली, मुंबई और कोलकाता सेवा क्षेत्र शामिल हैं।

- जैसा कि ऊपर दी गई तालिकाओं में देखा जा सकता है, वायरलेस सेगमेंट में मार्च 2026 के महीने के दौरान, मासिक आधार पर सभी सर्किलों ने अपने सब्सक्राइबर बेस में वृद्धि दर्ज की है। वार्षिक आधार पर, सभी सर्किलों ने अपने सब्सक्राइबर बेस में वृद्धि दर्ज की है।
- वायरलाइन सेगमेंट में मार्च 2026 के महीने के दौरान, मासिक आधार पर, महानगर को छोड़कर, अन्य सभी सर्किलों ने अपने सब्सक्राइबर बेस में वृद्धि दर्ज की है। वार्षिक आधार पर, सभी सर्किलों ने अपने सब्सक्राइबर बेस में वृद्धि दर्ज की है।

VII. सक्रिय वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर (वीएलआर आंकड़े)

- मार्च 2026 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर कुल वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबरों की संख्या 1265.73 मिलियन में से 1185.60 मिलियन वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर सक्रिय थे। कुल वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबरों की संख्या की तुलना में सक्रिय वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर का अनुपात लगभग 93.67% प्रतिशत था।

- मार्च 2026 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर सक्रिय वायरलेस सब्सक्राइबर (जिसे वीएलआर सब्सक्राइबर भी कहा जाता है) के अनुपात के विस्तृत आंकड़े **अनुलग्नक-3** में उपलब्ध हैं तथा वीएलआर सब्सक्राइबर की संख्या की जानकारी प्रदान करने हेतु उपयोग की गई पद्धति **अनुलग्नक-4** में उपलब्ध है।

मार्च 2026 माह के दौरान शीर्ष चार टेलीफोन सेवा प्रदातावार वीएलआर सब्सक्राइबरों का प्रतिशत

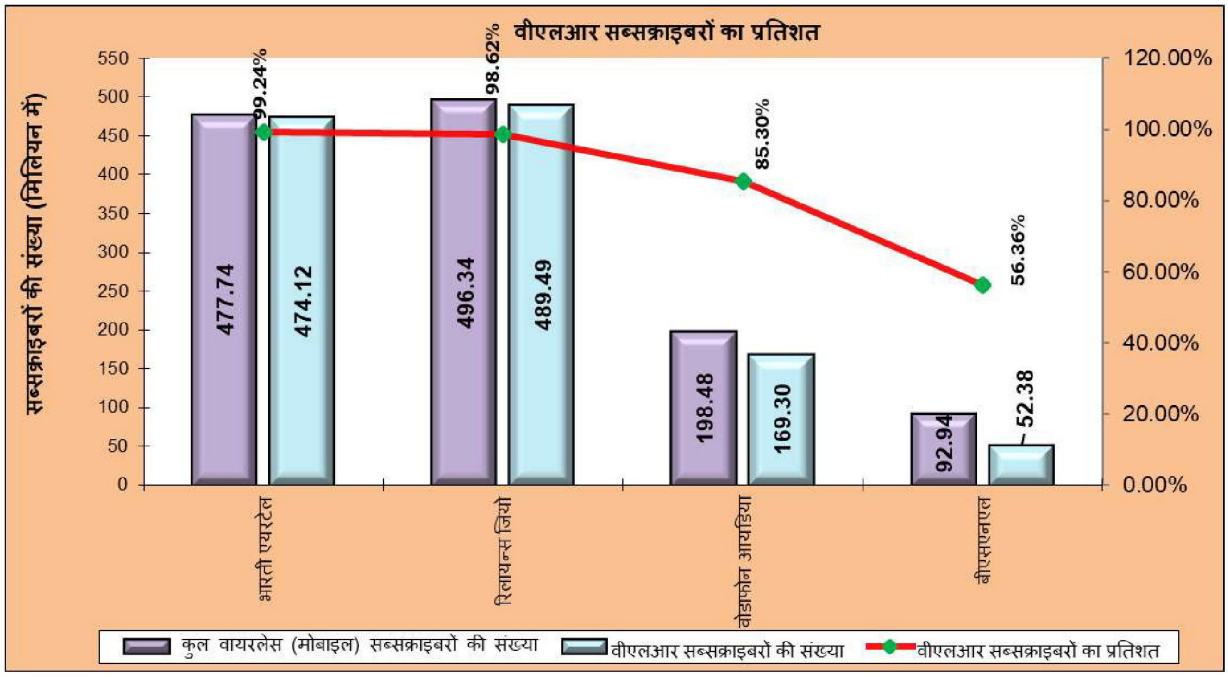

- मार्च 2026 माह में भारती एयरटेल का अधिकतम वीएलआर की तिथि में वीएलआर सब्सक्राइबर का अनुपात उसके कुल वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर की संख्या का 99.24% है जो कि सभी वायरलेस टेलिफोन सेवा प्रदाताओं में अधिकतम है।

मार्च 2026 माह के दौरान सेवा क्षेत्रवार वीएलआर सब्सक्राइबरों का प्रतिशत

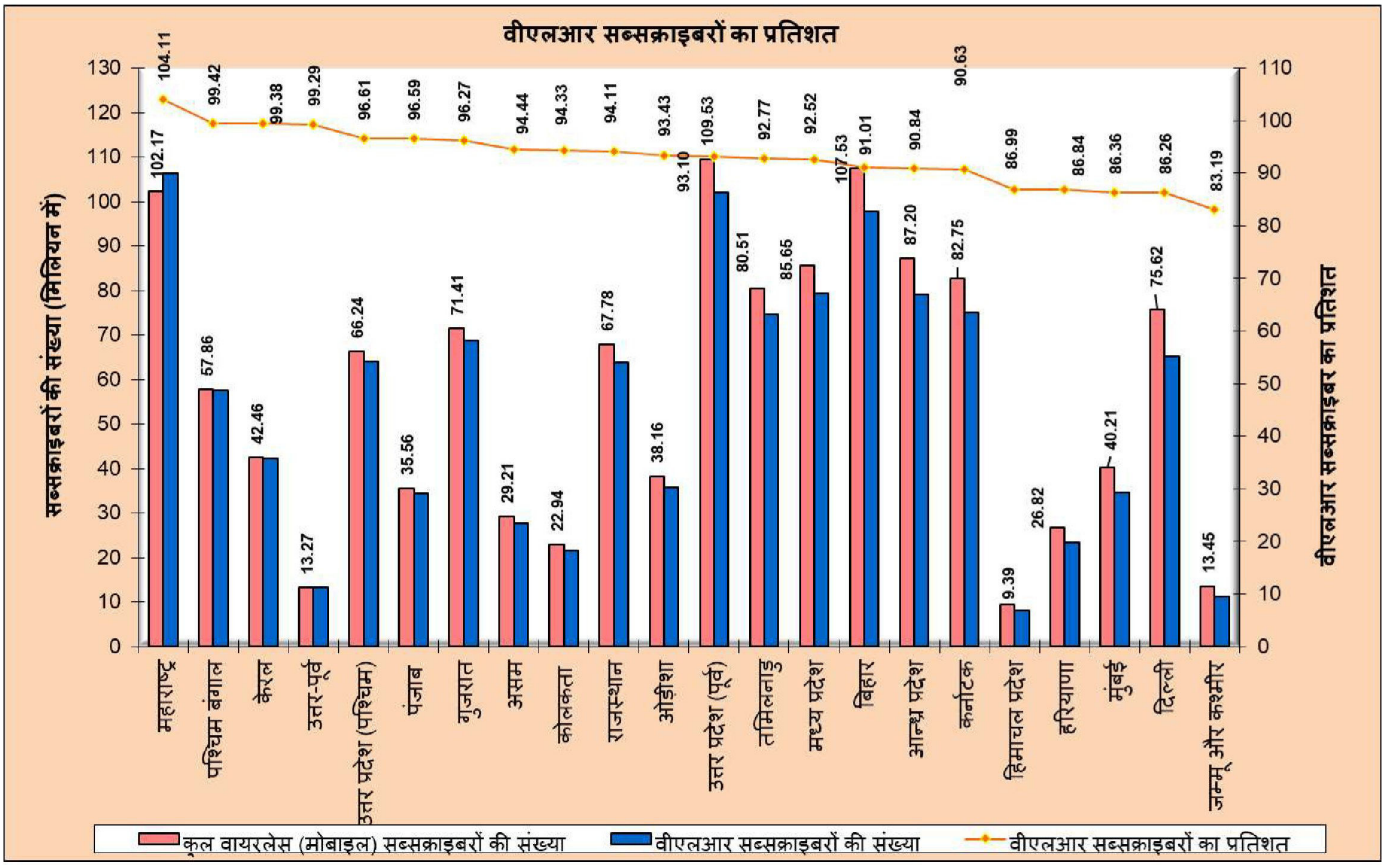

VIII. मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी)

- भारत में, अंतःसेवा-क्षेत्रीय मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) को प्रथमतया दिनांक 25.11.2010 से हरियाणा सेवा क्षेत्र में तथा दिनांक 20.01.2011 से देश के अन्य सभी भागों में लागू किया गया था। दिनांक 03.07.2015 से देश में अंतर्सेवा-क्षेत्रीय एमएनपी लागू किया गया है। अब, वायरलेस मोबाइल सब्सक्राइबर एक सेवा क्षेत्र से दूसरे सेवा क्षेत्र में विस्थापित होने पर अपना मोबाइल नम्बर यथावत् रख सकते हैं।

- मार्च 2026 के माह में 14.63 मिलियन टेलीफोन सब्सक्राइबर से एमएनपी के लिए अनुरोध प्राप्त हुए। इन 14.63 मिलियन अनुरोधों में से 8.03 मिलियन अनुरोध जोन-I से तथा 6.61 मिलियन अनुरोध जोन-II से प्राप्त हुए हैं।

- एमएनपी क्षेत्र-I (उत्तरी तथा पश्चिम भारत) में उत्तर प्रदेश-पूर्व सेवा क्षेत्र में (2.14 मिलियन) सबसे अधिक अनुरोध प्राप्त हुए जिसके बाद उत्तर प्रदेश-पश्चिम सेवा क्षेत्र में (1.49 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

- एमएनपी क्षेत्र-II (दक्षिण तथा पूर्वी भारत) में सबसे अधिक अनुरोध मध्य प्रदेश सेवा क्षेत्र में (1.40 मिलियन) प्राप्त हुए हैं जिसके बाद बिहार सेवा क्षेत्र में (1.32 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

लाइसेंस्ड सेवा क्षेत्र-वार एमएनपी हेतु दर्ज अनुरोध					
जोन-I			जोन-II		
सेवा क्षेत्र	महीने में पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या (मिलियन में)		सेवा क्षेत्र	महीने में पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या (मिलियन में)	
	फरवरी 2026	मार्च 2026		फरवरी 2026	मार्च 2026
दिल्ली	0.65	0.60	आन्ध्र प्रदेश	0.60	0.63
गुजरात	0.96	0.93	असम	0.11	0.13
हरियाणा	0.43	0.43	बिहार	1.32	1.32
हिमाचल प्रदेश	0.06	0.06	कर्नाटक	0.55	0.55
जम्मू और कश्मीर	0.07	0.08	केरल	0.21	0.23
महाराष्ट्र	0.97	0.92	कोलकाता	0.18	0.17
मुंबई	0.25	0.25	मध्य प्रदेश	1.41	1.40
पंजाब	0.38	0.39	उत्तर-पूर्व	0.03	0.04
राजस्थान	0.79	0.75	ओड़ीशा	0.22	0.25
उत्तर प्रदेश-पूर्व	2.09	2.14	तमिलनाडु	0.56	0.63
उत्तर प्रदेश-पश्चिम	1.43	1.49	पश्चिम बंगाल	1.19	1.26
कुल	**8.09**	**8.03**	**कुल**	**6.38**	**6.61**
कुल (जोन-I + जोन-II)				14.47	14.63

किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें

श्री अखिलेश कुमार त्रिवेदी, सलाहकार (एनएसएल-II),
भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, टॉवर-एफ, नौरोजी नगर,
नई दिल्ली-110029.
फोन-011-20907758
ई-मेलः advmn@trai.gov.in

Digitally signed by
Arun Agarwal
Date: 22-04-2026
18:29:19

(अरुण अग्रवाल)
प्रधान सलाहकार (एनएसएल), भा.दू.वि.प्रा.

अनुलग्नक-1

वायरलाइन सब्सक्राइबरों की संख्या

सेवा क्षेत्र	बीएसएनएल		एमटीएनएल		भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु		टाटा टेलि.		क्वाड्रेन्ट		वोडाफोन आइडिया		रिलायन्स जियो		एसटीपीएल		एपीएसएफएल		कुल		शुद्ध योग
	फरवरी-26	मार्च-26	फरवरी-26	मार्च-26	फरवरी-26	मार्च-26	फरवरी-26	मार्च-26	फरवरी-26	मार्च-26	फरवरी-26	मार्च-26	फरवरी-26	मार्च-26	फरवरी-26	मार्च-26	फरवरी-26	मार्च-26	फरवरी-26	मार्च-26	फरवरी-26	मार्च-26	
आन्ध्र प्रदेश	658,517	664,896			1,002,701	1,014,041	12,100	10,858	1,030,883	1,038,531			84,735	85,055	1,989,736	2,020,736			322,817	319,484	5,101,489	5,153,601	52112
असम	99,724	99,701			81,562	81,572	-	-					2,041	2,006	245,461	248,148					428,788	431,427	2639
बिहार	150,846	151,606			441,516	441,496	9	9	72,174	75,065			4,839	4,749	764,217	771,959					1,433,601	1,444,884	11283
दिल्ली	-	-	679,525	571,748	2,481,015	2,478,165	11,142	10,881	958,602	966,286			80,022	80,642	1,153,413	1,163,455					5,363,719	5,271,177	-92542
गुजरात	452,982	454,772			364,644	366,944	1,498	1,469	785,784	801,576			126,306	126,486	893,813	909,707					2,625,027	2,660,954	35927
हरियाणा	365,366	366,158			242,710	242,720	-	-	169,040	167,498			380	350	177,203	178,662					954,699	955,388	689
हिमाचल प्रदेश	97,572	87,766			28,382	28,382	-	-	3,739	3,839			60	60	79,693	80,461					209,446	200,508	-8938
जम्मू और कश्मीर	47,073	59,732			156,703	156,703	-	-					30	30	274,665	277,497					478,471	493,962	15491
कर्नाटक	644,091	642,819			1,365,872	1,367,502	10,494	10,463	2,676,892	2,724,582			201,337	210,112	1,153,226	1,187,540					6,051,912	6,143,018	91106
केरल	1,202,589	1,208,460			150,865	151,405	2,126	2,091	95,180	94,998			6,347	6,277	409,605	411,980					1,866,712	1,875,211	8499
कोलकता	226,178	226,267			227,267	228,237	1,490	1,425	366,718	372,970			12,945	13,745	654,645	663,905					1,489,243	1,506,549	17306
मध्य प्रदेश	306,694	313,997			646,959	647,149	5	6	110,668	113,762			49,937	45,367	1,139,115	1,156,842					2,253,378	2,277,123	23745
महाराष्ट्र	625,060	624,534			667,972	668,982	5,581	5,523	1,039,521	1,041,764			20,193	23,093	351,823	353,983					2,710,150	2,717,879	7729
मुंबई	2,763	2,763	760,433	738,934	648,494	656,134	27,555	27,407	2,625,682	2,637,175			188,438	190,198	1,050,597	1,065,776					5,303,962	5,318,387	14425
उत्तर-पूर्व	59,885	60,246			25,711	25,711	-	-					450	450	243,908	246,789					329,954	333,196	3242
ओड़ीशा	157,203	158,462			111,681	111,941	5	6	119,579	126,279			3,568	3,688	366,331	371,503					758,367	771,879	13512
पंजाब	539,294	530,330			452,089	452,129	1,377	1,372	60,696	59,533	333,220	331,450	1,130	1,130	463,598	467,332	58,587	58,160			1,909,991	1,901,436	-8555
राजस्थान	288,688	298,286			379,418	379,988	2,684	2,534	82,960	83,808			10,745	11,675	592,466	599,954					1,356,961	1,376,245	19284
तमिलनाडु	971,809	974,151			1,127,494	1,126,984	8,221	8,089	774,973	783,183			28,520	28,894	1,046,026	1,048,165					3,957,043	3,969,466	12423
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	139,598	143,507			395,492	395,392	54	54	49,409	49,483			16,172	16,082	762,400	766,462					1,363,125	1,370,980	7855
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	205,684	219,279			294,455	294,795	7	7	25,655	25,706			3,142	3,202	864,998	872,038					1,393,941	1,415,027	21086
पश्चिम बंगाल	171,805	173,570			103,216	103,216	19	13	7,316	7,316			150	150	371,801	374,544					654,307	658,809	4502
कुल	7,413,421	7,461,302	1,439,958	1,310,682	11,396,218	11,419,588	84,367	82,207	11,055,471	11,173,354	333,220	331,450	841,487	853,441	15,048,740	15,237,438	58,587	58,160	322,817	319,484	47,994,286	48,247,106	252820
शुद्ध योग		47881		-129276		23370		-2160		117883		-1770		11954		188698		-427		-3333		252820	
ग्रामीण ग्राहक	2,126,087	2,166,120	24	24	141,462	141,647	300	270	1,449,859	1,467,801	168,772	168,403	-	-	985,091	1,034,421	-	-	213,249	212,659	5,084,844	5,191,345	106501

वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबरों की संख्या

अनुलग्नक-2

सेवा क्षेत्र	भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु		वोडाफोन आइडिया		बीएसएनएल		एमटीएनएल		रिलायन्स जियो		कुल		शुद्ध योग
	फरवरी-26	मार्च-26	फरवरी-26	मार्च-26	फरवरी-26	मार्च-26	फरवरी-26	मार्च-26	फरवरी-26	मार्च-26	फरवरी-26	मार्च-26	फरवरी-26	मार्च-26	
आन्ध्र प्रदेश	38,327,283	38,642,976	-	-	8,854,876	8,839,537	7,489,622	7,489,676			32,075,153	32,224,617	**86,746,934**	**87,196,806**	449872
असम	14,212,088	14,786,568	-	-	1,466,072	1,480,568	2,939,314	2,928,181			9,910,383	10,015,219	**28,527,857**	**29,210,536**	682679
बिहार	49,237,048	49,486,508	-	-	7,359,813	7,417,265	5,636,574	5,626,979			44,537,959	44,998,130	**106,771,394**	**107,528,882**	757488
दिल्ली	38,222,715	38,960,542	2	2	16,326,460	16,095,501			134,606	133,080	20,466,208	20,434,815	**75,149,991**	**75,623,940**	473949
गुजरात	15,503,511	15,664,281	1	1	19,457,305	19,559,053	3,293,233	3,290,591			32,585,710	32,899,907	**70,839,760**	**71,413,833**	574073
हरियाणा	7,813,312	7,854,741	-	-	6,207,455	6,231,180	4,415,488	4,509,472			8,209,320	8,220,268	**26,645,575**	**26,815,661**	170086
हिमाचल प्रदेश	3,632,654	3,630,477	-	-	389,532	393,644	1,778,243	1,777,880			3,577,829	3,590,215	**9,378,258**	**9,392,216**	13958
जम्मू और कश्मीर	6,620,418	6,704,199	-	-	268,634	276,509	855,876	851,147			5,486,632	5,616,528	**13,231,560**	**13,448,383**	216823
कर्नाटक	43,661,606	43,989,594	135	102	7,516,679	7,617,380	4,712,976	4,711,589			26,218,620	26,428,918	**82,110,016**	**82,747,583**	637567
केरल	9,570,297	9,582,288	3	3	12,755,200	12,782,282	8,968,497	8,961,293			11,070,831	11,137,247	**42,364,828**	**42,463,113**	98285
कोलकता	5,983,605	5,994,154	-	-	4,588,903	4,593,122	1,426,529	1,423,628			10,897,387	10,933,395	**22,896,424**	**22,944,299**	47875
मध्य प्रदेश	18,200,513	18,298,313	-	-	12,661,300	12,609,315	5,136,362	5,132,531			49,402,733	49,606,122	**85,400,908**	**85,646,281**	245373
महाराष्ट्र	31,586,780	32,250,561	-	-	20,617,223	20,636,495	5,315,131	5,338,848			43,720,843	43,941,678	**101,239,977**	**102,167,582**	927605
मुंबई	15,797,686	15,942,397	51	48	10,828,191	10,842,893			89,426	81,887	13,276,305	13,337,985	**39,991,659**	**40,205,210**	213551
उत्तर-पूर्व	6,636,085	6,724,753	-	-	597,462	595,310	1,305,447	1,296,967			4,593,508	4,656,859	**13,132,502**	**13,273,889**	141387
ओड़ीशा	13,153,321	13,309,058	-	-	1,503,646	1,521,363	5,507,651	5,500,943			17,586,250	17,826,738	**37,750,868**	**38,158,102**	407234
पंजाब	14,059,983	14,145,393	5	5	5,616,780	5,633,877	4,103,312	4,098,495			11,648,351	11,681,843	**35,428,431**	**35,559,613**	131182
राजस्थान	25,683,135	25,919,581	36	36	8,418,253	8,381,177	5,733,509	5,739,342			27,543,925	27,741,623	**67,378,858**	**67,781,759**	402901
तमिलनाडु	32,957,309	33,196,496	-	-	14,276,884	14,319,339	7,990,412	7,982,319			24,938,684	25,015,812	**80,163,289**	**80,513,966**	350677
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	40,720,415	41,112,752	-	-	15,833,950	15,881,819	8,474,962	8,460,976			43,907,858	44,076,149	**108,937,185**	**109,531,696**	594511
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	22,227,092	22,650,740	-	-	12,500,495	12,486,372	5,195,981	5,178,467			25,604,734	25,926,452	**65,528,302**	**66,242,031**	713729
पश्चिम बंगाल	18,842,022	18,897,474	4	4	10,336,783	10,290,794	2,647,259	2,644,149			25,852,760	26,029,005	**57,678,828**	**57,861,426**	182598
कुल	**472,648,878**	**477,743,846**	**237**	**201**	**198,381,896**	**198,484,795**	**92,926,378**	**92,943,473**	**224,032**	**214,967**	**493,111,983**	**496,339,525**	**1,257,293,404**	**1,265,726,807**	**8433403**
शुद्ध योग		**5,094,968**		**-36**		**102899**		**17095**		**-9065**		**3,227,542**	**0**	**8433403**	
ग्रामीण ग्राहक	195,930,058	197,868,559	-	-	92,700,375	92,892,586	30,843,356	30,801,763	2,813	2,781	215,980,214	217,652,556	**535,456,816**	**539,218,245**	**3761429**

अनुलग्नक-3

मार्च 2026 के माह के दौरान अधिकतम वीएलआर की तिथि को वीएलआर का एच एल आर के साथ अनुपात (प्रतिशत में)

सेवा क्षेत्र	भारती एयरटेल	बीएसएनएल	वोडाफोन आइडिया	एमटीएनएल	रिलायन्स कम्यु	रिलायन्स जियो	कुल (सभी सेवा प्रदाताओं के लिए एक साथ)
आन्ध्र प्रदेश	96.82	60.55	95.17		-	89.52	**90.84**
असम	101.24	23.31	90.34		-	105.78	**94.44**
बिहार	90.33	33.82	87.61		-	99.47	**91.01**
दिल्ली	94.67		52.03	189.23	100.00	96.53	**86.26**
गुजरात	106.33	45.68	89.85		0.00	100.35	**96.27**
हरियाणा	102.32	22.67	91.75		-	103.53	**86.84**
हिमाचल प्रदेश	94.56	47.70	97.93		-	97.60	**86.99**
जम्मू और कश्मीर	85.95	56.95	76.60		-	84.19	**83.19**
कर्नाटक	96.79	65.18	69.61		100.00	90.95	**90.63**
केरल	100.80	115.72	92.74		-	92.65	**99.38**
कोलकता	96.74	72.53	85.47		-	99.57	**94.33**
मध्य प्रदेश	99.39	42.26	88.10		-	96.31	**92.52**
महाराष्ट्र	108.57	88.55	92.99		-	107.94	**104.11**
मुंबई	94.46		69.78	63.93	100.00	90.28	**86.36**
उत्तर-पूर्व	100.37	45.67	96.84		-	112.97	**99.29**
ओड़ीशा	102.13	42.74	87.12		-	103.11	**93.43**
पंजाब	110.69	35.54	94.19		100.00	102.11	**96.59**
राजस्थान	101.21	38.45	92.25		100.00	99.57	**94.11**
तमिलनाडु	96.84	86.83	79.04		-	97.12	**92.77**
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	102.55	32.02	87.94		-	97.87	**93.10**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	108.76	33.96	95.59		-	99.00	**96.61**
पश्चिम बंगाल	99.43	76.60	94.11		100.00	103.83	**99.42**
कुल	**99.24**	**56.36**	**85.30**	**141.50**	**100.00**	**98.62**	**93.67**

नोट : इनरोमर्स की बड़ी संख्या के कारण कुछ सेवा प्रदाताओं के कुछ सेवा क्षेत्रों में अधिकतम वीएलआर आंकड़े, एचएलआर आकड़ों से अधिक हो सकते हैं।

अनुलग्नक-4

वायरलेस क्षेत्र में वीएलआर सब्सक्राइबर

होम लोकेशन रजिस्टर (एचएलआर) एक केन्द्रीयकृत डाटाबेस है जिसमें प्रत्येक मोबाइल फोन सब्सक्राइबर की संख्या का ब्योरा अंतर्विष्ट होता है जो कि जीएसएम मुख्य नेटवर्क उपयोग करने के लिए प्राधिकृत है। एचएलआर में सेवा प्रदाता द्वारा जारी प्रत्येक सिम कार्ड का ब्यौरा रखा जाता है। प्रत्येक सिम की एक विशिष्ट पहचान होती है जिसे अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल पहचान (आईएमएसआई) कहते हैं, जोकि प्रत्येक एचएलआर रिकार्ड की प्राथमिक कुंजी होता है। एचएलआर डाटा को तब तक सुरक्षित रखा जाता है जब तक सब्सक्राइबर, सेवा प्रदाता के साथ जुड़ा रहता है। एचएलआर प्रशासनिक क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की स्थिति को अद्यतन कर सब्सक्राइबर के अंतरण का भी प्रबंधन करता है। यह विजिटर अवस्थिति रजिस्टर (वीएलआर) सब्सक्राइबर का डाटा भेजता है।

सब्सक्राइबर की संख्या के बारे में सेवा प्रदाता द्वारा दी गई संख्या, सेवा प्रदाता के एचएलआर में पंजीकृत आईएमएसआई की संख्या तथा नीचे दिए गए अन्य आंकड़ों का जोड़ हैः –

1.	**एचएलआर में कुल आईएमएसआई (ए)**
2.	घटाः (**बी**=क+ख+ग+घ+ङ)
क.	जांच/सेवा कार्ड
ख.	कर्मचारी
ग.	हस्तगत स्टाक/संवितरण चेनल (एक्टिव कार्ड)
घ.	सब्सक्राइबर को बनाए रखने की अवधि की समाप्ति
ङ	कनेक्शन को बंद किए जाने के दौरान सेवा समाप्ति
3.	**सब्सक्राइबर की संख्या (ए - बी)**

विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) सब्सक्राइबर का एक अस्थायी डाटाबेस होता है जिन्होंने किसी सेवा प्रदाता के सेवा क्षेत्र के विशिष्ट क्षेत्र में दौरा (रोम-इन) किया है। नेटवर्क में प्रत्येक

बेस स्टेशन को केवल एक वीएलआर द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। इसलिए, कोई सब्सक्राइबर एक समय में एक से अधिक वीएलआर में मौजूद नहीं रह सकता है।

यदि सब्सक्राइबर सक्रिय अवस्था में है अर्थात् वह काल करने/प्राप्त करने/एसएमएस भेजने/प्राप्त करने में सक्षम है, तो वह एचएलआर तथा वीएलआर में उपलब्ध है। तथापि, यह संभव है कि सब्सक्राइबर ने फोन बंद कर रखा हो अथवा वह कवरेज क्षेत्र से बाहर चला गया हो, पहुंच क्षेत्र से बाहर हो तथा इस कारण वह एचएलआर में पंजीकृत हो तथा वीएलआर में पंजीकृत नहीं हो। ऐसी परिस्थितियों में वह एचएलआर में उपस्थित होगा वीएलआर में नहीं। इससे सेवा प्रदाताओं द्वारा संसूचित सब्सक्राइबर की संख्या तथा वीएलआर में उपलब्ध संख्या के बीच अंतर आ जाता है।

यहां परिकलित वीएलआर डाटा, जिस विशिष्ट माह के लिए आंकड़ों को संग्रहित किया जा रहा है, उसके लिए अधिकतम वीएलआर की तिथि पर वीएलआर में सक्रिय सब्सक्राइबर के आधार पर परिकलित किया जाता है। यह डाटा ऐसे स्विचों से लिये जाने होते हैं जिनका 72 घंटों से अधिक का 'पर्ज टाइम' (डाटा समाप्ति का समय) न हो।

5G एफ डब्ल्यु ए सब्सक्राइबरों की संख्या

अनुलग्नक-5

सेवा क्षेत्र	भारती एयरटेल		रिलायन्स जियो		कुल	
	फरवरी-26	मार्च-26	फरवरी-26	मार्च-26	फरवरी-26	मार्च-26
आन्ध्र प्रदेश	3,20,295	326,398	7,11,614	733,617	10,31,909	1,060,015
असम	75,909	80,832	1,98,870	204,410	2,74,779	285,242
बिहार	1,79,877	191,521	6,94,852	719,098	8,74,729	910,619
दिल्ली	1,72,406	178,180	2,30,045	231,269	4,02,451	409,449
गुजरात	2,00,188	208,389	4,47,825	455,641	6,48,013	664,030
हरियाणा	93,761	98,694	2,35,091	243,166	3,28,852	341,860
हिमाचल प्रदेश	17,967	19,009	79,259	81,751	97,226	100,760
जम्मू और कश्मीर	65,573	71,441	1,79,321	184,530	2,44,894	255,971
कर्नाटक	3,03,113	308,525	4,21,364	431,309	7,24,477	739,834
केरल	67,595	69,684	1,89,636	197,432	2,57,231	267,116
कोलकता	96,732	100,899	1,63,902	166,225	2,60,634	267,124
मध्य प्रदेश	1,63,684	171,363	5,73,333	591,069	7,37,017	762,432
महाराष्ट्र	3,06,404	318,056	6,27,224	641,525	9,33,628	959,581
मुंबई	1,12,622	116,019	1,09,622	111,399	2,22,244	227,418
उत्तर-पूर्व	39,550	41,719	90,119	92,735	1,29,669	134,454
ओड़ीशा	82,347	86,390	3,09,420	320,411	3,91,767	406,801
पंजाब	1,70,756	180,691	5,02,984	514,395	6,73,740	695,086
राजस्थान	2,16,058	224,359	4,72,615	486,259	6,88,673	710,618
तमिलनाडु	4,17,219	428,203	3,88,299	400,354	8,05,518	828,557
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	2,22,221	239,283	7,03,259	726,334	9,25,480	965,617
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	1,65,957	174,395	5,41,636	560,565	7,07,593	734,960
पश्चिम बंगाल	98,910	103,608	4,72,145	490,616	5,71,055	594,224
कुल	**35,89,144**	**3,737,658**	**83,42,435**	**8,584,110**	**1,19,31,579**	**12,321,768**
शुद्ध योग		**148,514**		**241,675**		**390,189**
मासिक वृद्धि%		**4.14%**		**2.90%**		**3.27%**

अनुलग्नक-6

यूबीआर एफडब्ल्यूए सब्सक्राइबर बेस

सेवा प्रदाता →	रिलायंस जियो *	
↓सेवा क्षेत्र	**फरवरी-26**	**मार्च-26**
आंध्र प्रदेश	3,34,154	353,145
असम	34,095	35,934
बिहार	2,79,543	292,063
दिल्ली	2,82,343	299,206
गुजरात	2,79,451	293,618
हरियाणा	1,80,379	187,139
हिमाचल प्रदेश	10,660	11,072
जम्मू और कश्मीर	77,705	79,862
कर्नाटक	2,51,523	265,531
केरल	9,897	10,331
कोलकाता	1,81,892	193,683
मध्य प्रदेश	2,41,754	253,607
महाराष्ट्र	3,35,594	353,187
मुंबई	58,526	61,722
उत्तर पूर्व	14,341	15,222
ओडिशा	54,079	57,163
पंजाब	2,38,728	250,624
राजस्थान	2,88,428	299,821
तमिलनाडु	1,73,472	183,779
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	2,80,254	290,342
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	3,54,486	368,895
पश्चिम बंगाल	1,24,782	129,649
कुल	**40,86,086**	**4,285,595**
नेट एडिशन		**199,509**
मासिक वृद्धि %		**4.88%**

* केवल रिलायंस जियो ने एफडब्ल्यूए-यूबीआर सब्सक्राइबर बेस की सूचना दी है।